J–195

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2024

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – नाटक एवं काव्येतर गद्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. 'नाट्यशास्त्र' ग्रन्थ के रचनाकार कौन हैं ?
2. सामान्य रूप से नाटक के कितने तत्व माने जाते हैं ?
3. जयशंकर प्रसाद के दो नाटकों के नाम लिखिए।
4. 'अंधायुग' का रचनाकाल लिखिए।
5. 'आधे&अधूरे' के रचनाकार का नाम लिखिए।
6. 'सरस्वती' पत्रिका के संपादक का नाम लिखिए।
7. 'संस्मरण' शब्द का शाब्दिक अर्थ क्या है ?
8. 'एक सच यह भी' किसकी आत्मकथा पर आधारित है ?

खण्ड—ब

9. नाटक को परिभाषित कीजिए।

10. एकांकी नाटक को स्पष्ट कीजिए।

11. ‘गीतिनाट्य’ को अपने शब्दों में परिभाषित कीजिए।

12. ‘संगमरमर की एक रात’ पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

13. ‘द्वन्द्व’ और ‘आत्मसंघर्ष’ में तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

14. निबन्ध के तत्वों को लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2
(Assignment—2)

खण्ड—स

15. आत्मकथा एवं जीवनी में तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

16. ‘एक दुराशा’ निबन्ध का मुख्य प्रतिपाद्य बताइए।

17. लोकमंगल की दृष्टि से काव्य के स्वरूप एवं प्रकार पर प्रकाश डालिए।

18. ‘ठिठुरता हुआ गणतंत्र’ के तथ्य पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 3
(Assignment—3)

खण्ड—द

19. ‘भाभी’ रेखाचित्र के माध्यम से महादेवी वर्मा ने समाज में विधवाओं की कैसी स्थिति का चित्रण किया है ?

20. साक्षात्कार की विरासत कहाँ होती हैं ? अज्ञेय जी के मत के आधार पर अपना मत व्यक्त कीजिए।

21. ‘हिन्दी आत्मकथा’ लेखन की परम्परा का वर्णन कीजिए।

22. प्रसाद के नाट्य कला के क्रमिक विकास का समीक्षात्मक परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 4
(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. गीतिनाट्य की दृष्टि से ‘अंधायुग’ का मूल्यांकन कीजिए।

24. हिन्दी निबन्ध की विकासयात्रा पर विवेचन&विश्लेषण कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है।**

J–196

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2024

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – कथा साहित्य **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. ‘आधा गाँव’ उपन्यास के रचनाकार कौन हैं ?
2. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी ने शिवप्रसाद सिंह के किस उपन्यास को इतिहास से सम्बन्धित बताया है ?
3. “मेरी आकांक्षाएँ कुछ नहीं हैं। इस समय तो सबसे बड़ी आकांक्षा यही है कि हम स्वराज्य संग्राम में विजयी हों।” प्रेमचंद ने किसे सम्बोधित पत्र में यह कहा था ?
4. अज्ञेय के उपन्यास ‘शेखर : एक जीवनी’ का प्रकाशन वर्ष लिखिए।
5. ‘एक टोकरी भर मिट्टी’ के रचनाकार कौन हैं ?
6. जैनेन्द्र की कहानी ‘पत्नी’ की पात्र सुनंदा किसकी पत्नी है ?
7. आपके पाठ्यक्रम में शामिल उषा प्रियंवदा की किस कहानी के कारण कुंवर नारायण ने उन्हें ‘आधुनिकता की तरफदार’ कहा ?
8. देश विभाजन की त्रासदी को अभिव्यक्त करती कृष्णा सोबती की कौन&सी कहानी है ?

खण्ड—ब

9. सांस्कृतिक उपन्यास उदाहरण सहित लिखिए।
10. कृष्णा सोबती के कथा&साहित्य को रेखांकित कीजिए।
11. ‘समय सरगम’ के पात्रों का चरित्रांकन कीजिए।
12. आदर्शमूलक कहानी पर अपने विचार सोदाहरण लिखिए।
13. कथाकार ज्ञानरंजन का परिचय लिखिए।
14. कृष्ण बलदेव वैद के रचना संसार को लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. ग्रामांचल उपन्यासों पर टिप्पणी लिखिए।
16. कृष्णा सोबती के उपन्यासों में परिवेशगत विशिष्टताओं को रेखांकित कीजिए।
17. ‘पिता’ कहानी को केन्द्र में रखकर वर्तमान समाज के पारिवारिक ढाँचे को रेखांकित कीजिए।
18. जयशंकर प्रसाद की औपन्यासिक दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. कहानी के विकास को संदर्भ सहित समझाइए।
20. राजेन्द्र यादव की ‘टूटना’ कहानी की मूल संवेदना लिखिए।
21. यशपाल की कहानी&कला पर सविस्तार लेख लिखिए।
22. ‘जिंदगी और जोंक’ कहानी के पात्र रजुआ को केन्द्र में रखकर समाज का मूल्यांकन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. ‘गोदान में होरी शोषण के पर्याय के रूप में मेहनतकश लोगों का प्रतिनिधित्व करता दिखाई दे रहा है।’ इसे सोदाहरण समझाइए।
24. ‘शेखर : एक जीवनी’ के केन्द्र में वर्तमान समाज का मूल्यांकन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

J–197

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2024

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – भाषा विज्ञान **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. शब्दों की कितनी शक्तियाँ निर्धारित हैं ?
2. 'अष्टाध्यायी' किसकी रचना है ?
3. ब्राह्मी लिपि का आविष्कार किसने किया था ?
4. भाषा की मूलभूत इकाई क्या है ?
5. स्थान के आधार पर 'त' और 'थ' का उच्चारण स्थान क्या है ?
6. 'नदियाँ' में सहरूप क्या है ?
7. 'त्रिपिटक' की रचना किस भाषा में की गई थी ?
8. भारत में हिन्दी को राजभाषा की मान्यता कब प्रदान की गई थी ?

खण्ड—ब

9. अनेकार्थी शब्द से आप क्या समझते हैं ?
10. श्यामसुंदर दास ने भाषाविज्ञान की क्या परिभाषा दी है ?
11. अघोष व्यंजन क्या हैं ?
12. मिश्रित वाक्य किसे कहते हैं ?
13. 'अर्थ विस्तार' क्या है ? स्पष्ट कीजिए।
14. विकारी शब्द किसे कहते हैं ?

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. शब्द&शक्तियों को स्पष्ट करते हुए उसके भेद लिखिए।
16. अपभ्रंश भाषा पर टिप्पणी लिखिए।
17. 'उड़िया' और 'असमिया' भाषा का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
18. संपर्क भाषा किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. स्वनिम और उपस्वन को परिभाषित करते हुए उनमें अन्तर स्पष्ट कीजिए।
20. अर्थ परिवर्तन के कारणों पर प्रकाश डालिए।
21. समास किसे कहते हैं और इसके कितने भेद हैं ? सोदाहरण समझाइए।
22. लिपि को परिभाषित करते हुए देवनागरी लिपि की विशेषताओं और न्यूनताओं को रेखांकित कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान से क्या आशय है ? इसके स्वरूप की विस्तृत विवेचना कीजिए।
24. भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियों और हिन्दी कहानी शिक्षण को सविस्तार समझाइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2024

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. अज्ञेय ने दूसरे सप्तक के कवियों को क्या कहा ?
2. 'टूटी हुई बिखरी हुई कविताएँ' किसकी रचना है ?
3. गजानन माधव मुक्तिबोध का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
4. 'संशय की रात' किसका खण्ड&काव्य है ?
5. गिरिजाकुमार माथुर ने अपनी काव्य&यात्रा किस भाषा से प्रारम्भ की ?
6. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की मृत्यु के बाद कौन&सा काव्य संग्रह प्रकाशित हुआ ?
7. नन्दकिशोर आचार्य का जन्म राजस्थान के किस शहर में हुआ ?

8.निराला द्वारा प्रवर्तित नये गीत की धारा को आधुनिक हिन्दी में क्या कहा गया ?

खण्ड—ब

9. शमशेर बहादुर सिंह की काव्य&भाषा पर टिप्पणी लिखिए।
10. गजानन माधव मुक्तिबोध की जीवनी लिखिए।
11. महाप्रस्थान का काव्यरूप लिखिए।
12. 'असिद्ध की व्यथा' कविता का मूल भाव क्या है ?
13. गिरिजाकुमार माथुर का संवेदना पक्ष लिखिए।
14. धर्मवीर भारती के काव्य में प्रेमानुभूति को स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. सोहनलाल द्विवेदी के गीतों की विशेषताएँ लिखिए।
16. वीरेन्द्र मिश्र की युद्ध विरोधी संवेदना का परिचय दीजिए।
17. नीरज के गीतों में मानवतावाद को स्पष्ट कीजिए।
18. रमानाथ अवस्थी के गीतों में अभिव्यक्त विषमताओं का उल्लेख कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. 'भूल&गलती' कविता का मर्म स्पष्ट कीजिए।
20. 'लौट आ ओ धार' की प्रतीक योजना को लिखिए।
21. साठोत्तरी कविता को जनतंत्र की कविता क्यों कहा गया है ?
22. हिन्दी नवगीत की विशेषताएँ लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. नयी कविता के तत्कालीन परिवेश और प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।
24. मुक्तिबोध के रचना&व्यक्तित्व का आकलन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परोक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**